

**“ हिंदी के विनय गीतों की परंपरा और  
सूरदास के विनय के पद । ”**

**शिवाजी विश्वविद्यालय की  
एम्. फिल. ( हिन्दी ) उपाधि के लिये  
प्रस्तुत लघु शोध – प्रबन्ध**

**शोध छात्र  
श्री. रंगराव उर्फ श्रीरंग बाळू भुयेकर**

**शोध निर्देशक  
प्रा. शरद कणबरकर  
हिंदी विभाग**

**शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर  
( महाराष्ट्र )**

**जून १९९३**

**800-4262-70 12015**